**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान**
**माध्यमिक- अर्थशास्त्र(214)**
**पाठ 23: पर्यावरण और सतत विकास**
**कार्यपत्रक- 23**

1. "पर्यावरण का अध्ययन आर्थिकतंत्र के संतुलित और गतिशील प्रतिरूप को समझने में योगदान देता है।" कथन के आलोक में पर्यावरण के अध्ययन के महत्व की चर्चा कीजिए।
2. महानगरों में रहने के आधुनिक तरीकों ने वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर दी हैं। वायु प्रदूषण के विभिन्न कृत्रिम और प्राकृतिक स्रोतों की पहचान करें।
3. हमारे देश के दूर दराज के इलाकों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सरकार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए कुछ कारगर उपाय बताए।
4. ध्वनि प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने में जन जागरूकता कार्यक्रम विकसित करने के लिए कुछ प्रभावी उपाय सुझाएं।
5. औद्योगीकरण की प्रक्रिया ने आपके इलाके में वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण की सीमा बढ़ा दी है। इस पर एक संक्षिप्त रिपोर्टतैयार कीजिए।
6. “मिट्टी का क्षरण मिट्टी की गुणवत्ता और उत्पादकता को कम करके प्राकृतिक तंत्र के संतुलन को बाधित करता है।“ कथन के समर्थन में मृदा निम्नीकरण के विभिन्न कारणों और प्रभावों की पहचान कीजिए।
7. कुछ प्रजातियों का विलुप्त होना 'हैबिटेट डिग्रेडेशन' का परिणाम है जो प्राकृतिक खाद्य श्रृंखला और पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन पैदा करता है। पर्यावरण में ऐसी स्थिति पैदा करने वाले जिम्मेदार कारकों की पहचान करें।
8. "आर्थिक विकास के वर्तमान परिदृश्य में, हमें बेहतर कल के लिए अपनी खानों और खनिज संसाधनों को संरक्षित करने की आवश्यकता है।" क्यों?
9. आपको पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 को पढ़ने और इस अधिनियम के तहत निर्धारित पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कुछ प्रावधानों को नोट करने का सुझाव दिया जाता है।

10."सतत विकास की अवधारणा ने उपलब्ध संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण की दिशा में एक नया आयाम जोड़ा है।" उपयुक्त दृष्टांतों के साथ कथन की व्याख्या करें और उन प्रभावी तरीकों का भी सुझाव दें जिनसे सतत विकास के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।